>

Title: Regarding high quantity of arsenic in the ground water in Unnao and other parts of Uttar Pradesh as per the report of Central Ground Water Board.

श्रीमती अन्नू टण्डन (उन्नाव): सभापति महोदय, आज सुबह भी मैंने इस विषय पर माननीय मंत्री महोदया से सवाल किया था। यह बहुत अत्यंत महत्वपूर्ण समस्या मेरे क्षेत्र की है। प्रदूषण के मामले में मैं सदन का ध्यान आकृष्ट कराना चाहती हूं। मेरे लोकसभा क्षेत्र उन्नाव में भूमिगत पानी दिन-प्रतिदिन जहरीला और प्रदूषित होता जा रहा है। यहां के जो टैनिंग यूनिट्स हैं, स्लाटर हाउसेस हैं, वे बेधड़क जो हैजार्डस वेस्ट को आस-पास के इलाकों में फैंक देते हैं या रिवर्स बोरिंग कर देते हैं और अनट्रीटेड इफ्लुंट्स को हमारे जल स्रोतों में छोड़ रहे हैं। इस बात की पुष्टि मार्च 2012 की एक रिपोर्ट जो सैंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड की तरफ से आई है और वर्ष 2009 में भी यह रिपोर्ट आई थी, इसे इस रिपोर्ट में कंफर्म किया गया है कि यहां पानी में अत्यधिक प्रदूषण है। इस रिपोर्ट के अनुसार उन्नाव के जल स्रोतों में टोटल क्रोमियम, हैक्सावेलेंट क्रोमियम, सैलिनिटी की मात्रा बीआईएस द्वारा निर्धारित मानकों से काफी अधिक पाई गई है। यह पाया जाना कोई प्राकृतिक मामला नहीं है, बल्कि यह इंसान की लापरवाही अथवा जानबूझ कर प्राकृति से खिलवाड़ करने का नतीजा है।

मैं जानती हूं, मैं चाहती भी हूं और मानती भी हूं कि अपने क्षेत्र में मुझे रोजगार की आवश्यकता है। यहां उद्योग की आवश्यकता है, लेकिन उद्योग केवल अपने मुनाफे को ध्यान में रखकर अगर प्रदूषण संबंधी नियम-कायदों का खुला मज़ाक करें, तो यह हमें मंजूर नहीं है। अब तो यह स्थिति आ गई है कि सैंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड द्वारा उन्नाव प्रशासन को पानी के कई जल स्रोतों को सील करने के लिए कहा गया है, जो कि ज्यादा आबादी वाले क्षेत्रों में ऐसे हैंड पम्प हैं। मैं आपके माध्यम से सरकार और वाटर रिसोर्सेस मिनिस्टरी, एनवायरमेंट एंड फारेस्ट मिनिस्टरी तथा कामर्स एंड इंडस्ट्री मिनिस्ट्री सभी संबंधित अधिकारियों से हाथ जोड़ कर आग्रह करना चाहती हूं कि अब समय आ गया है कि ऐसी औद्योगिक इकाइयों को देश के किसी भी कोने में उनके खिलाफ कड़े से कड़े कदम उठाने चाहिए। हमारे उन्नाव क्षेत्र में ऐसे कड़े कदम उठाने की बहुत ज्यादा जरूरत है, क्योंकि अब उन्नाव का भविष्य इनके हाथों में है।

मैं उत्तर प्रदेश की नई सरकार से भी अनुरोध करना चाहती हूं कि इस समस्या को गंभीरता से ले, क्योंकि इसमें बहुत राजनीति हो चुकी है। हमें राजनीति से ऊपर उठकर अपने क्षेत्र को अवश्य बचाना चाहिए। आज मेरे सवाल के उत्तर पर माननीय मंत्री महोदया ने यह भी कबूल किया कि सैंट्रल गवर्नमेंट की तरफ से उनकी मिनिस्टरी द्वारा एक नई टेक्नोलोजी को इस्तेमाल करने की कोशिश की गई थी, लेकिन वह कामयाब नहीं हुई। मैं सिर्फ इतना कहना चाहती हूं कि अगर वह टेक्नोलोजी कामयाब नहीं हुई, तो काई और टेक्नोलोजी के लिए प्रयास करना चाहिए। आधुनिक युग है, टेक्नीकल युग है, लेकिन इस प्रदूषण को रोकना बहुत आवश्यक है। मैं कई बार इस विषय को उठा चुकी हूं और मैं चाहती हूं कि सदन मेरी बात को पूरी तरह से समझे।